भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 220

दिनांक 02.02.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

220. श्री मन्ने श्रीनिवास रेड्डी:

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया है और इस अवसर पर विदेशों में उपलब्धि प्राप्त करने वालों पर एक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और इसके क्या परिणाम रहे;

(ग) इस आयोजन में प्राप्त सुझावों के साथ–साथ इस संबंध में उठाए जा रहे सुधारात्मक कदमों का ब्यौरा क्या है और इससे अब तक क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं;

(घ) वर्ष 2014 से अब तक की तिथि तक वर्ष–वार और देश– वार कितनी निधि स्वीकृत/व्यय की गई है, और

(ङ) इस सबंध में वर्ष 2047 के लिए क्या भावी कार्य योजना बनाई गई है और अब तक क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
[श्री वी. मुरलीधरन]

(क से ड़) 17 वां प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन 08-10 जनवरी 2023 तक इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित किया गया था।

17 वें पीबीडी सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने मुख्य अतिथि, गुयाना के सहकारी गणराज्य के अध्यक्ष महामहिम डॉ. मोहम्मद इरफ़ान अली , और विशिष्ट अतिथि , सूरीनाम गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति महामहिम श्री चंद्रिकाप्रसाद संतोखी की उपस्थिति में किया। प्रधानमंत्री ने सुरक्षित, कानूनी, व्यवस्थित और कुशल प्रवासन के महत्व को रेखांकित करते हुए एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। प्रधानमंत्री ने भारत की आजादी में हमारे प्रवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को रेखांकित करने के लिए "आजादी का अमृत महोत्सव - भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में प्रवासी भारतीयों का योगदान" विषय पर पहली डिजिटल पीबीडी प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने समापन सत्र की अध्यक्षता की और चयनित भारतीय प्रवासी सदस्यों को उनकी उपलब्धियों को मान्यता देने और भारत और विदेश दोनों में विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान का सम्मान करने के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2023 प्रदान किए गए।

17 वें प्रवासी भारतीय दिवस में एक युवा खंड और एक राज्य खंड शामिल था, जिसने भारत के युवाओं को प्रवासी युवाओं के साथ बातचीत करने और जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान किया। पीबीडी कन्वेंशन में मंत्री स्तर पर पांच विषयगत पूर्ण सत्रों की अध्यक्षता की गई, जिसमें प्रख्यात प्रवासी विशेषज्ञों के साथ पैनल चर्चाएं शामिल थीं। भारत की जी20 की अध्यक्षता के मद्देनजर एक विशेष टाउन हॉल का भी आयोजन किया गया।

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन प्रवासी भारतीय समुदाय की उपलब्धियों और भारत के विकास में उनके योगदान को पहचानने और जश्न मनाने के लिए आयोजित किए जाते हैं। 17 वें पीबीडी सम्मेलन का विशेष महत्व है क्योंकि इसे चार साल के अंतराल के बाद एक वास्तविक कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया था और यह कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद प्रवासियों का पहला वास्तविक सम्मेलन था। इस सम्मेलन में लगभग 70 देशों के प्रवासी भारतीयों की बहुत उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। 17 वां पीबीडी सम्मेलन प्रवासी भारतीयों के साथ संबंधों को नवीनीकृत करने और जुड़ने और 'अमृत काल' में भारत की वृद्धि और विकास में उनकी भागीदारी और योगदान की नींव रखने के मामले में एक जबरदस्त सफलता थी ।

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के लिए वर्ष-वार बजटीय आवंटन यहां संलग्न है:

वित्तीय वर्ष	बजट आवंटन (करोड़)
2014 -15	17
2015 -16	13.41
2016 -17	10
2017 -18	10
2018-19	24
2019 -20	9.12
2020 -21	22
2021 -22	5
2022 -2023	30
2023 -24	15

*****